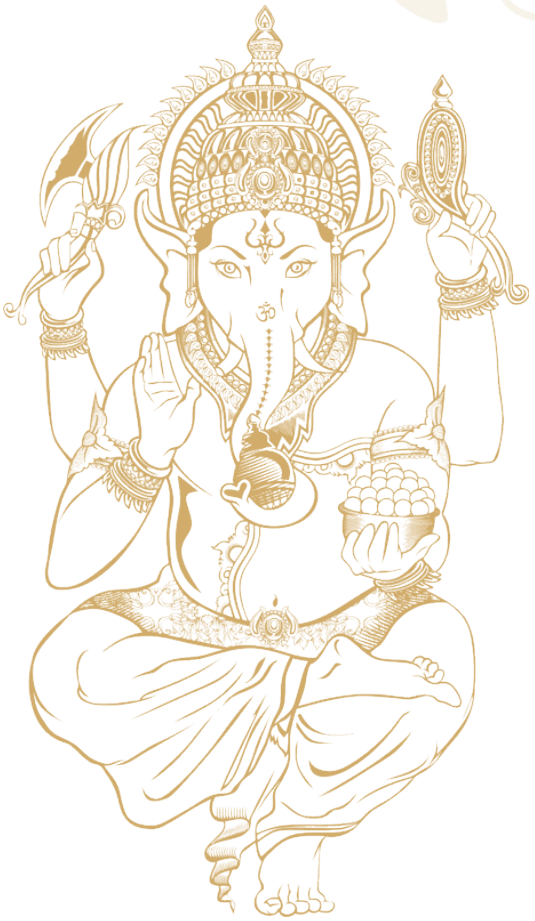

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121288309

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/03/1997	जन्म तिथि	07/05/1997
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 03:30:00	जन्म समय	14:34:00 घंटे
घटी 53:35:37	जन्म समय(घटी)	22:47:51 घटी
India	देश	India
Sitapur	स्थान	Hardoi
25:11:00 उत्तर	अक्षांश	27:23:00 उत्तर
80:52:00 पूर्व	रेखांश	80:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:32	स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:45	सूर्योदय	05:26:29
18:20:59	सूर्यास्त	18:46:15
23:49:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 9वर्ष 2मा 5दि		22:11:22	मक	लग्न	सिंह	28:28:59	सूर्य 4वर्ष 7मा 21दि	
बुध		13:27:09	मीन	सूर्य	मेष	23:01:36	राहु	
02/06/2025		25:40:57	तुला	चंद्र	मेष	29:41:05	28/12/2018	
02/06/2042		28:54:11	सिंह व	मंगल	सिंह	23:28:05	27/12/2036	
बुध	29/10/2027	28:49:43	मीन	बुध व	मेष	05:43:45	राहु	09/09/2021
केतु	26/10/2028	20:26:59	मक	गुरु	मक	26:22:33	गुरु	03/02/2024
शुक्र	26/08/2031	12:00:47	मीन	शुक्र	वृष	02:03:50	शनि	10/12/2026
सूर्य	02/07/2032	16:03:10	मीन	शनि	मीन	20:58:12	बुध	28/06/2029
चन्द्र	01/12/2033	04:53:56	कन्या व	राहु व	कन्या	03:54:10	केतु	16/07/2030
मंगल	29/11/2034	04:53:56	मीन व	केतु व	मीन	03:54:10	शुक्र	16/07/2033
राहु	17/06/2037	13:59:18	मक	हर्ष	मक	14:50:25	सूर्य	10/06/2034
गुरु	23/09/2039	05:48:17	मक	नेप व	मक	06:07:50	चन्द्र	10/12/2035
शनि	02/06/2042	11:40:43	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	10:53:46	मंगल	27/12/2036

लग्न-चलित

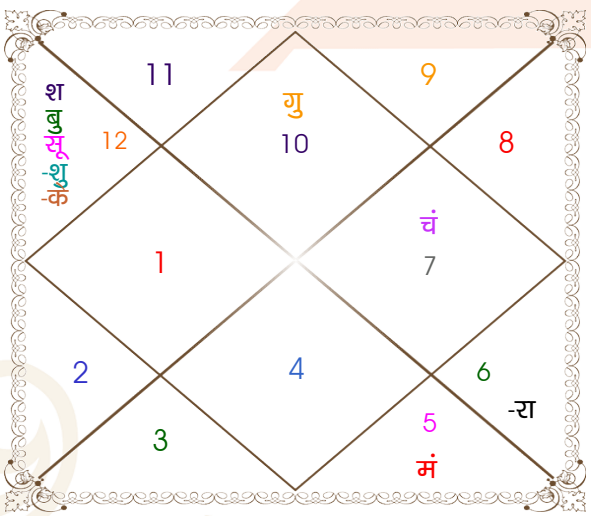

लग्न-चलित

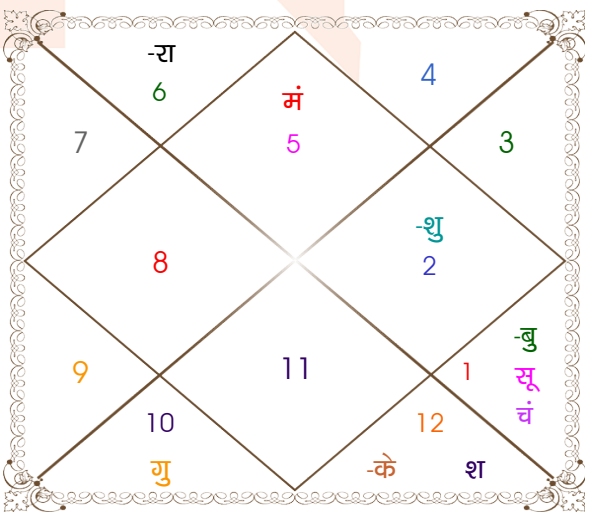

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

M का वर्ग सर्प है तथा F का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

F मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि F कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि M कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।